अपराधियों के हौसले बुलंद, पुलिस का खौफ खत्म

3 दिन में 3 बड़ी वारदातें, खौफ के साए में जिला मुख्यालय

सुस्त पुलिसिंग और लचर पैरवी से बदमाश बेकाबू

इंट्रो- शहडोल जिला मुख्यालय और आसपास के इलाकों में बीते तीन दिनों के भीतर हुई वारदातों ने पुलिसिंग की कलई खोलकर रख दी है। हत्या, सरेआम चाकूबाजी और रहस्यमयी हमले जैसी घटनाओं से साफ है कि बदमाशों के मन से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है। संगठित आपराधिक गिरोह लगातार पैर पसार रहे हैं और कानून व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है।

वेंटिलेटर पर शहडोल में कानून व्यवस्था

शहडोल। संभाग का सबसे प्रमुख केंद्र माना जाने वाला शहडोल इन दिनों अपराधियों की चरागाह बन चुका है। लगातार बढ़ते अपराध के ग्राफ ने स्थानीय निवासियों को दहशत में डाल दिया है। कभी शांत रहने वाले इस शहर में अब खुलेआम कत्ल और खून-खराबा आम बात हो गई है। पुलिस की पारंपरिक गश्त और सूचना तंत्र पूरी तरह फेल साबित हो रहे हैं। पुलिस कागजी कार्रवाइयों और लीपापोती में व्यस्त है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं। तीन दिनों के भीतर कोतवाली क्षेत्र में सामने आए तीन बड़े मामलों ने सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है।

घर में अकेले बुजुर्ग की नग्न अवस्था में निर्मम हत्या

कोतवाली थाना क्षेत्र के बलपुरवा बस स्टैंड के पास एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया। यहां बैंक से रिटायर्ड 81 वर्षीय बुजुर्ग जगदीश प्रसाद मिश्रा लंबे समय से घर में अकेले रहते थे। जब खाना बनाने वाली महिला घर पहुंची, तो कमरे के भीतर बुजुर्ग का शव पूरी तरह नग्न और खून से लथपथ हालत में मिला। आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात बदमाश चोरी या लूट की नीयत से घर में दाखिल हुए थे और बुजुर्ग द्वारा विरोध किए जाने पर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। हालांकि, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव सहित भारी पुलिस बल ने मौके का मुआयना किया है, लेकिन असली वजह पोस्टमार्टम और विस्तृत जांच के बाद ही साफ हो पाएगी।

शराब दुकान के पास दो गुटों में खूनी संघर्ष

2 जून की रात करीब 11:30 बजे सिंहपुर रोड स्थित शराब दुकान के पास दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस चाकूबाजी में वीरेन्द्र केवट पिता कमला प्रसाद

केवट गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी कोतवाली पुलिस ने कोई प्रेस नोट जारी नहीं किया। बताया जाता है कि इस मामले में पुलिस ने संदीप यादव, शानू यादव, साहिल कुशवाहा व अन्य पर मामला दर्ज किया है, पुलिस अक्सर ऐसे मामलों को दबाने का प्रयास करती है, यहां

तक कि ऑनलाइन एफआईआर भी समय पर सिंक नहीं की जाती। पुलिस ने चार लोगों पर मामला तो दर्ज किया है, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

मोइन अहमद आरजू पर जानलेवा घटना

संभाग के चर्चित युवा मोइन अहमद उर्फ आरजू पर एनएच-43 पर बुढ़ार मार्ग पर पास एक

भगवान भरोसे आम नागरिकों की सुरक्षा

घटना हुई। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, कुछ लोग इसे विवाद के बाद हुई पत्थरबाजी बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि गुजर रहे ट्रक के टायर के नीचे से उछलकर पत्थर उनके सिर पर लगा, अपुष्ट सूत्र बताते हैं कि एनएच पर हवाई फायर भी हुआ है, आरजू को गंभीर हालत में महानगर के एक बड़े अस्पताल में रेफर किया गया है, जहां उनकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। ताज्जुब की बात यह है कि संभाग में अपनी पहचान रखने वाले इस युवक के साथ हुए इतने बड़े हादसे से कोतवाली और सोहागपुर दोनों थानों की पुलिस पूरी तरह अनजान बनी बैठी है।

बेअसर साबित हो रही है पुलिसिंग और गश्त व्यवस्था

शहडोल मुख्यालय में रात के समय पुलिस गश्त केवल कागजों तक सीमित रह गई है। शराब दुकानों के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा और देर रात तक होने वाली संदिग्ध गतिविधियां पुलिस की निष्क्रियता को दर्शाती हैं। जब तक पुलिस थानों से बाहर निकलकर संगठित अपराधियों के खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपनाएगी, तब तक ऐसे संगीन अपराधों पर लगाम लगाना नामुमकिन होगा। मामलों को दबाने की प्रवृत्ति ने अपराधियों के हौसले और बढ़ा दिए हैं।

गिरता जा रहा है कानून का ग्राफ

जिस तरह से अकेले रह रहे बुजुर्गों को निशाना बनाया जा रहा है और हाईवे पर युवाओं के साथ जानलेवा हादसे हो रहे हैं, उसने आम नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। शहडोल की कानून व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। यदि वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लेकर अपराधियों की धरपकड़ और संगठित गिरोहों के नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया, तो आने वाले दिन जिला मुख्यालय के लिए और भी ज्यादा खौफनाक हो सकते हैं।

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में प्रतिभाओं का महाकुंभ

दीक्षांत समारोह में चमके शहडोल के नए डॉक्टर्स

शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, शहडोल के इतिहास में 31 मई 2026 की तारीख स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गई। मौका था संस्थान के एमबीबीएस बैच 2020 के द्वितीय भव्य दीक्षांत समारोह का, जहां देश को नए और ऊर्जावान जीवनदाता सौंपे गए। गरिमामय और बेहद कडक़ अनुशासन के बीच आयोजित इस दीक्षांत समारोह में जब देश के इन भावी डॉक्टरों ने मंच पर कदम रखा, तो पूरा परिसर तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक पल के मुख्य साक्षी बने महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. गिरीश रामटेके, जिनके कुशल मार्ग-दर्शन में यह पूरा महाआयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में जैसे ही मेधावियों को उपाधियां और मेडल सौंपे गए, वहां मौजूद अभिभावकों और प्राध्यापकों की आंखें गर्व से नम हो गईं।

हृषिता और यशोवर्धन ने मारी बाजी, मुस्कान भी रहीं अव्वल

इस दीक्षांत समारोह की सबसे बड़ी यूएसपी (आकर्षण) रही चिकित्सा के अलग-अलग चरणों में कठिन परिश्रम करने वाले टॉपर्स की घोषणा। पूरे परीक्षा परिणामों में हृषिता चौधरी और यशोवर्धन मिश्रा का एकछत्र राज देखने को मिला।

एमबीबीएस फेज-1: एनाटॉमी और ओवरऑल टॉपर का ताज यशोवर्धन मिश्रा के सिर सजा। वहीं फिजियोलॉजी में सृष्टि शर्मा तथा बायोकेमिस्ट्री में अनुज नामदेव ने बाजी मारी।

एमबीबीएस फेज-2: पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और ओवरऑल टॉपर बनकर हृषिता चौधरी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। फार्माकोलॉजी में पुनः यशोवर्धन मिश्रा चमके।

एमबीबीएस फाइनल पार्ट-1: कम्युनिटी मेडिसिन, ईएनटी (ओटोराइनोलैरिंजोलॉजी) और ओवरऑल टॉपर के खिताब पर एक बार फिर हृषिता चौधरी ने कब्जा जमाया। फॉरेंसिक मेडिसिन में पारुल शुक्ला और ऑप्थैल्मोलॉजी में अंकित जैन अव्वल रहे।

एमबीबीएस फाइनल पार्ट-2: इस अंतिम पड़ाव में मेडिसिन में अनुज पाठक, प्रसूति एवं स्त्री रोग में पारुल शुक्ला और पीडियाट्रिक्स में वेदिका गेडाम ने परचम लहराया। जबकि सर्जरी में हृषिता चौधरी और मुस्कान वालेचा संयुक्त रूप से अव्वल रहीं। फाइनल पार्ट-2 की ओवरऑल टॉपर बनने का गौरव मुस्कान वालेचा को मिला।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने घोली खुशियों की मिठास

दीक्षांत समारोह सिर्फ गंभीर डिग्रियों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि जूनियर छात्र-छात्राओं ने अपनी धमाकेदार और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से इसमें चार चांद लगा दिए। मंच पर हुए सुरीले गायन और बेहतरीन नृत्य कार्यक्रमों ने सीनियर छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जूनियरों ने अपने सीनियर्स को विदाई देते हुए उनके सुनहरे भविष्य की कामना की।

कुशल टीम वर्क से मिली ऐतिहासिक सफलता

लोकल स्तर पर चर्चा है कि इस भव्य और कडक़ आयोजन को सफल बनाने के पीछे कॉलेज की कोर टीम की जबरदस्त मेहनत रही है। डीन डॉ. गिरीश रामटेके की कड़ी मॉनिटरिंग के साथ-साथ प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश तेम्भुर्णीकर, डॉ. राजेश खरात और डॉ. विक्रांत कबीरपंथी सहित समस्त संकाय सदस्यों ने दिन-रात एक कर दिया था। अब ये स्नातक डॉक्टर शहडोल का नाम पूरे देश में रौशन करने के लिए तैयार हैं।

मवेशी बांध रहे ग्रामीण पर गिरी गाज, मौत!

शहडोल। जिले में पिछले कुछ दिनों से बदला मौसम का मिजाज अब आम जनता के लिए काल साबित होने लगा है। शाम होते ही चलने वाली अंध? और गरज-चमक के बीच सोहागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बडखेरा में आसमानी बिजली ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक 50 वर्षीय ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है।

मवेशी बांधते समय काल बनकर गिरी बिजली

मिली रूह कंपा देने वाली जानकारी के अनुसार, बडखेरा निवासी धन्नू पाव उम्र 50 वर्ष पिता लेगरा पाव अपने घर के पास पेड़ के नीचे मवेशियों को बांध रहे थे। इसी बीच अचानक मौसम ने पलटी मारी और तेज आंधी-बारिश के साथ आसमान से मौत की गाज धन्नू के ऊपर ही गिर गई। धमाके की आवाज सुनकर जब तक परिजन मौके पर भागे, तब तक धन्नू अचेत होकर झुलसी हालत में जमीन पर गिर चुके थे।

अस्पताल पहुंचने से पहले थमी सांसें, मर्ग कायम

परिजन आनन-फानन में चीख-पुकार मचाते हुए उन्हें शहडोल मेडिकल कॉलेज लेकर भागे, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें तत्काल मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मर्ग कायम कर पंचनामे की औपचारिकता शुरू की। जिले में उमस और गर्मी से राहत के बीच इस आसमानी आफत ने प्रशासन के सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है, जहां ग्रामीण इलाकों में अलर्ट की सूचनाएं समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं।

बेतवा एक्सप्रेस में जेवरात उड़ाने वाले अंतरराज्यीय चोर गैंग का भंडाफोड

दो शातिर बदमाशों समेत सुनार गिरफ्तार

उमरिया से कानपुर तक सीसीटीवी खंगालकर आरपीएफ ने दबोचा

शहडोल। ट्रेनों के एसी कोचों में सफर करने वाले वीआईपी यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक बेहद शातिर और हाईटेक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) ने फिल्मी अंदाज में भंडाफोड़ किया है। बेतवा एक्सप्रेस के एसी कोच से एक महिला यात्री का करीब 7 लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषणों से भरा लेडीज पर्स पार करने वाले दो शातिर चोरों को आरपीएफ की स्पेशल टीम ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या और कानपुर से घेराबंदी कर दबोच लिया है। चोरों के साथ ही चोरी का सोना ठिकाने लगाने वाले कानपुर के एक शातिर सुनार को भी गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ ने इन सभी को कानूनी शिकंजे में कसकर आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए जीआरपी शहडोल के सुपुर्द कर दिया है।

कटनी के बाद गायब हुआ था 7 लाख का पर्स

वारदात 11 मई 2026 की है, जब दुर्ग (छत्तीसगढ़) निवासी यात्री रवि प्रताप सिंह (33 वर्ष) अपने परिवार के साथ ट्रेन नंबर 18204 बेतवा एक्सप्रेस के ए-2 कोच में कानपुर से रायपुर की यात्रा कर रहे थे। कटनी स्टेशन से ट्रेन छूटने के बाद जब उनकी पत्नी वॉशरूम जाने के लिए उठीं, तो सिरहाने रखा लेडीज पर्स गायब था, जिसमें लगभग 7 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और अहम दस्तावेज थे। पीड़ित की शिकायत पर जीआरपी शहडोल ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धारा 305(सी) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया था।

तीसरी आंख और मोबाइल लोकेशन ने खोला राज

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त सौरभ कुमार के आदेश पर सहायक सुरक्षा आयुक्त पी. अत्री और शहडोल आरपीएफ थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया। टीम ने जब उमरिया रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो दो संदिग्ध बी-1 कोच से उतरते दिखे और एक फुटेज में वे यात्री का पर्स अपने पिट्ठू बैग में छिपाते नजर आए। इसके बाद उमरिया शहर के 10 अलग-अलग कैमरों को खंगाला गया, जिससे पता चला कि दोनों आरोपी ऑटो से बस स्टैंड पहुंचे, वहां से नफीस बस पकडक़र शहडोल आए। शहडोल के पीहू होटल में रुकने के बाद वे गरीबरथ एक्सप्रेस से कटनी और वहां से चित्रकूट एक्सप्रेस पकडक़र कानपुर फरार हो गए।

अयोध्या के राम मंदिर क्षेत्र से शुरू हुआ काउंटडाउन

आरपीएफ को होटल से मुख्य आरोपी विनय प्रणामी का आधार कार्ड और मोबाइल नंबर मिला। साइबर सेल उमरिया की मदद से तकनीकी निगरानी शुरू की गई। 31 मई को जब आरोपी की लोकेशन वाराणसी और फिर अयोध्या मिली, तो आरपीएफ की टीमें यूपी के लिए रवाना हो गईं। अयोध्या धाम स्टेशन और होटलों की खाक छानने के बाद रात 8 बजे राम मंदिर क्षेत्र के पास संदिग्ध विनय प्रणामी को पहचान कर ट्रैक किया गया। जब वह होटल से चेक-आउट कर मरुधर एक्सप्रेस से कानपुर भागने की फिराक में था, तभी आरपीएफ ने उसे दबोच लिया।

सुनार ने 6.35 लाख में खरीदा था चोरी का माल

कड़ी पूछताछ में विनय प्रणामी ने अपने साथी प्रमोद कुमार यादव के साथ मिलकर चोरी की वारदात कबूल की। पुलिस ने कानपुर के मूसानगर में दबिश देकर प्रमोद को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर नौबस्ता (कानपुर) निवासी सुनार हरिओम गुप्ता को दबोचा गया, जिसने स्वीकार किया कि उसने यह माल 6,35,000 में खरीदा था और उसे गलाकर आगे बेच चुका है। इस बड़े अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश करने में उमरिया चौकी के उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार, आरक्षक सर्वेंद्र, शहडोल के प्रधान आरक्षक अतुल कुमार, विशेष टास्क टीम के उपनिरीक्षक डी.के. सिंह और आरपीएफ क्राइम ब्रांच बिलासपुर की भूमिका रही।

आरपीएफ की जनता से अपील

आरपीएफ थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान किसी भी अनजान व्यक्ति से खाने-पीने की चीजें बिल्कुल न लें। अपने कीमती सामान जैसे मोबाइल, लैपटॉप और पर्स को सुरक्षित रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या पर तत्काल रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें।

जयसिंह नगर में रीती रही गागर, यहां आते ही भरने लगे सागर!

शहडोल आते ही जागी सीएमओ की चेतना

जनता की प्यास पर सियासत का फिल्टर प्लांट चालू!

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय की शहडोल नगर पालिका में प्रशासनिक तबादले के बाद जो सियासी ऊर्जा देखने को मिली है, उसने नगर की जनता को हैरत में डाल दिया है। भोपाल से 2 जून की दोपहर आदेश जारी होते ही जयसिंहनगर छोडक़र नए सीएमओ निशांत सिंह ठाकुर ने 24 घंटे के भीतर 3 जून बुधवार सुबह शहडोल में ज्वाइनिंग दे दी। ज्वाइन करते ही वे अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल और पार्षदों को लेकर सीधे फिल्टर प्लांट पहुंच गए। महीनों से प्यासी जनता की सुध अचानक नए साहब के आते ही आ गई और त्वरित कार्रवाई के प्रेस नोट भी सोशल मीडिया पर तैरने लगे।

शहडोल आते ही आई ऊर्जा

तबादले के 24 घंटे के भीतर जिस तरह नए सीएमओ साहब ने ज्वाइन किया, वह उनकी प्रशासनिक मुस्तैदी से ज्यादा शहडोल की मलाईदार कुर्सी के प्रति उनके असीम प्रेम को दिखाता है। दोपहर को भोपाल से आदेश हुआ, शाम को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और सुबह साहब बिस्तर समेटकर हाजिर भी हो गए। शायद शहडोल के नाम में ही वह सियासी जादू है, जिसने साहब के सुस्त पड़े सिस्टम के अंदर अचानक असीमित और चमत्कारी ऊर्जा का संचार कर दिया।

जयसिंहनगर में क्यों थे मौन?

बड़ा सवाल यह है कि यही सीएमओ साहब जब जयसिंहनगर में तैनात थे, तब वहां भी पानी की भयंकर किल्लत को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के पार्षद और स्थानीय जनता लगातार चीख-पुकार मचा रही थी। लेकिन वहां साहब को कभी फील्ड में धूप सेकते नहीं देखा गया और न ही ऐसा कोई एक्शन मोड वाला प्रेस नोट कभी जारी हुआ। मानो वहां की जनता का कंठ सूखा था तो सूखा रहे, साहब को तो बस शहडोल आकर ही गंगा बहानी थी।

कुर्सी बदलने की मची होड़

इस पूरी प्रशासनिक फुर्ती के पीछे असल मंशा जल संकट दूर करना कम और नगर के ठेकेदारों तथा रसूखदारों को यह कड़ा संदेश देना ज्यादा है कि अब कुर्सी का असली मालिक बदल चुका है। काम कराना है या हाजिरी लगानी है, तो पुराने साहब के चक्कर छोड़िए और नए साहब की चौखट पर माथा टेकिए। आते ही धड़ाधड़ प्रेस नोट जारी कराकर सोशल मीडिया पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने की यह होड़ अब जनता के बीच जगजाहिर हो चुकी है।

अध्यक्ष जी की अद्भुत चुस्ती

नए सीएमओ के आते ही सिर्फ प्रशासनिक अमला ही नहीं, बल्कि नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल भी अचानक सुपर-मैन वाले एक्टिव मोड में नजर आने लगे हैं। बीते कई हफ्तों से जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही थी, तब अध्यक्ष जी के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही थी। जनता सोच रही है कि या तो अध्यक्ष जी को तब कुछ सुनाई नहीं दे रहा था, या फिर उन्हें फील्ड में जाने के लिए पुराने सीएमओ से परहेज था।

भोपाल के चक्कर और राजनीति

नगर में यह चर्चा अब चौराहों पर जोरों पर है कि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों की पूरी टोली बीते दिनों दिल्ली-भोपाल के चक्कर शहर की प्यास बुझाने के लिए नहीं, बल्कि पुराने सीएमओ की कुर्सी खिसकाने के लिए काट रही थी। जैसे ही भोपाल के गलियारों से मनमुताबिक तबादले का आदेश छपकर आया, वैसे ही शहर की वर्षों पुरानी पानी की समस्या भी रातों-रात इन राजनेताओं की सबसे बड़ी और पहली प्राथमिकता बन गई।

पुराने सीएमओ से थी बेरुखी

नगर पालिका के गलियारों में तीखी कानाफूसी है कि जनप्रतिनिधियों का पुराने मुख्य नगरपालिका अधिकारी के साथ फोटो खिंचाने का मन ही नहीं था, इसलिए जानबूझकर उन्हें जनसमस्याओं से दूर रखा गया। रणनीति शायद बहुत गहरी थी—समस्या हल न हो, जनता त्राहि-त्राहि करे, बात बिगड़े और ठीकरा पुराने सीएमओ के सिर फोडक़र भोपाल से उनकी विदाई का टिकट पक्का करा दिया जाए। जनता प्यासी रही तो क्या, सियासी शिकार तो पूरा हुआ!

घाट-घाट के चक्कर का सच

देर से ही सही, लेकिन नए सीएमओ के रूप में अपना पसंदीदा हमसफर पाकर अध्यक्ष जी इतने ज्यादा ऊर्जावान हो गए हैं कि वे साहब की उंगली पकडक़र उन्हें शहर के घाट-घाट के चक्कर कटवा रहे हैं। कभी फिल्टर प्लांट तो कभी वार्डों का हवाई निरीक्षण हो रहा है। जनप्रतिनिधि सिल्लू रजक और सभापति आशुतोष यादव भी इस नए जल-उत्सव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चमकाने में पूरी मुस्तैदी से जुटे हैं।

प्रेस नोट बनाम जमीनी हकीकत

नए सीएमओ और नेताओं की यह अमर-प्रेम जैसी जुगलबंदी देखकर शहडोल की जनता अब यही दुआ कर रही है कि यह पूरी नौटंकी सिर्फ सोशल मीडिया की चमचमाती तस्वीरों और कागजी प्रेस नोट तक ही सिमटकर न रह जाए। देखना दिलचस्प होगा कि साहब के अंदर शहडोल आते ही जो यह दिव्य ऊर्जा प्रगट हुई है, वह सच में जनता के सूखे कंठों तक पानी पहुंचाती है या यह भी सिर्फ कुर्सी बदलने की एक और सियासी रस्म है।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय खिलाड़ी-प्रशिक्षक समिति गठित

उमरिया। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जारी मार्गदर्शिका एवं निर्देशों के अनुसार जिले में उपलब्ध खेल अधोसंरचना के विकास, संधारण, संचालन, वित्तीय प्रबंधन, आय-व्यय के पर्यवेक्षण तथा लघु खेल आयोजनों के संचालन हेतु कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खिलाड़ी-प्रशिक्षक समिति का गठन किया गया है। समिति में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी को उपाध्यक्ष तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी को सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त श्री शिवम सोधिया (नामांकित राष्ट्रीय खिलाड़ी) तथा श्री कृष्ण कुमार झारिया (जिला खेल प्रशिक्षक) को समिति का सदस्य बनाया गया है।

5 जून तक संचालित होगा स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान

उमरिया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान का संचालन 5 जून 2026 तक किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करना तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि अभियान के दौरान जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें श्रमदान, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण, स्वच्छता शपथ, जन-जागरूकता रैलियां तथा स्वच्छता संवाद कार्यक्रम शामिल हैं।उन्होंने कहा कि अभियान के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन,कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, वैज्ञानिक प्रसंस्करण तथा सुरक्षित निस्तारण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण को बढ़ावा देने, प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के लिए व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ग्राम स्तर पर स्वच्छता व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अभियान में बढ़-चढक़र सहभागिता करें, स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं तथा अपने गांवों को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने में सहयोग दें।

विश्व साइकिल दिवस पर 'उमरिया साइक्लोथॉन-2026' का हुआ आयोजन

उमरिया। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण एवं फिट इंडिया अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय स्थित स्टेडियम में 'उमरिया साइक्लोथॉन-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं, विद्यार्थियों तथा शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर साइकिल चलाने के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।साइक्लोथॉन रैली का शुभारंभ स्टेडियम ग्राउंड से हुआ। रैली रणविजय चौक, गांधी चौक, जय स्तंभ चौक, पुराना बस स्टैंड, स्टेशन चौराहा, सगरा मंदिर तिराहा, नया बस स्टैंड तिराहा एवं नौ नंबर कॉलोनी से होते हुए पुनः स्टेडियम पहुंची। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर फिटनेस और हरित परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या ने कहा कि साइकिल न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने नागरिकों से दैनिक जीवन में अधिकाधिक साइकिल उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के संदेश के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा झारिया ने किया। इस अवसर पर उमाशंकर त्रिपाठी सहित मेरा युवा भारत केंद्र, उमरिया के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक चलेगा विशेष अभियान

सीईओ जिला पंचायत नोडल अधिकारी नियुक्त

उमरिया। राज्य शासन के निर्देशानुसार 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) तक जिले में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत भारत सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अभियान की रूपरेखा तैयार करने, कार्यक्रम स्थलों एवं मुख्य अतिथियों के निर्धारण सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने तथा प्रभारी मंत्री से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

5 जून को होगा वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पीपल, आम, बरगद, नीम सहित अन्य छायादार एवं उपयोगी पौधों का रोपण किया जाएगा। साथ ही प्लास्टिक अपशिष्ट की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अभियान के दौरान शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जल स्त्रोतों की सफाई एवं गहरीकरण के कार्य भी किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में इस कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय क्षेत्रों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा किया जाएगा।

12 से 18 जून तक लगेंगे पंजीयन शिविर

12 जून से 18 जून के मध्य जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय मुख्यालय में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों के लिए तीन दिवसीय पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, लखपति योजना, वीवीजी रामजी योजना सहित विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं के लिए पंजीयन कराया जाएगा।

धनपुरा पंचायत में भ्रष्टाचार का तांडव सरफा की चोरी की रेत से बन रही घटिया नाली

सरपंच-सचिव और इंजीनियर की त्रिमूर्ति कर रही विकास घायल

शहडोल। <

कहने को तो सूबे की भाजपा सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति के कल्याण और जीरो टॉलरेंस की दुहाई देते नहीं थकती, लेकिन जमीनी हकीकत में यह दावा महज एक ढपोलशंख साबित हो रहा है। मैदानी हकीकत यह है कि जिले की पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार का खुला-खेल चल रहा है। पंचायतों में ऊपर से नीचे तक कमीशन का खेल इस कदर फिक्स हो चुका है कि सरकारी योजनाओं की आत्मा दम तोड़ चुकी है। अफसरों की चौखट पर रोज सैकड़ों फरियादी अपनी नाक रगड़ते हैं, लेकिन उनकी चीख सुनने वाला कोई नहीं है। सैकड़ों प्रमाणित शिकायतें और जांच प्रतिवेदन सरकारी बस्तों में दफन होकर धूल खा रहे हैं। जब रंगे हाथों पकड़े गए भ्रष्टाचारियों पर भी आला अफसर आंखें मूंद लेते हैं, तब न्याय का सिंहासन डोल जाता है।

काली रेत से चमकाई जा रही किस्मत

भ्रष्टाचार के इस संगठित गिरोह का सबसे ताजा और जीवंत उदाहरण जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत धनपुरा में देखने को मिल रहा है। धनपुरा के कुदरा टोला वार्ड क्रमांक 13 में इन दिनों नाली निर्माण का कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। पूरा जिला जानता है कि इस समय क्षेत्र में वैध रेत खदानें संचालित नहीं हैं, लेकिन धनपुरा पंचायत के कर्ताधर्ताओं के लिए कायदे-कानून कोई मायने नहीं रखते। सरपंच, सचिव और स्थानीय दबंगों की जुगलबंदी में सरफा नदी का सीना चीरकर चोरी की गई घटिया काली रेत का इस्तेमाल खुलेआम किया जा रहा है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता इतनी रद्दी है कि यह नाली बनने से पहले ही ढहने की कगार पर पहुंच चुकी है। जनता के टैक्स की गाढ़ी कमाई को सरपंच-सचिव अपनी तिजोरियां भरने में बेरहमी से ठिकाने लगा रहे हैं।

इंजीनियर अपना है, जो करना है कर लो

हद तो तब हो गई जब सजग ग्रामीणों ने इस घटिया निर्माण और चोरी की रेत के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। बजाय काम सुधारने के, पंचायत के जिम्मेदार प्रतिनिधियों और उनके पाले हुए दबंगों ने ग्रामीणों को सरेआम धमकाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, सरपंच और उपसरपंच ने अहंकार में चूर होकर साफ लहजे में कहा कि इंजीनियर अपना है, जहां चाहे वहां शिकायत कर दो, हमारा कुछ नहीं होने वाला। यह बयान सीधे तौर पर साबित करता है कि इस पूरे महाघोटाले के पीछे सिर्फ सरपंच-सचिव नहीं, बल्कि तकनीकी स्वीकृति देने वाले इंजीनियर की भी पूरी शह और सांठगांठ है। जब जांच करने और मूल्यांकन करने वाला इंजीनियर ही भ्रष्टाचार की इस गंगा में डुबकी लगा चुका हो, तो फिर घटिया निर्माण पर कौन रोक लगाएगा।

कब जागेगा कुंभकर्णी प्रशासन

धनपुरा में चल रहा यह खेल इस बात का गवाह है कि सरपंच, सचिव और इंजीनियर की त्रिमूर्ति ने मिलकर सरकार की साख पर बट्टा लगा दिया है। दबंगों के संरक्षण में ग्रामीण जनता की आवाज को दबाया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या जिला प्रशासन के आला अधिकारी सोहागपुर जनपद की इस खुली डकैती से अनजान हैं या फिर कमीशन की यह कालिख ऊपर तक पहुंच रही है, धनपुरा की जनता अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस पूरे निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए, सरफा नदी से अवैध रेत उत्खनन का मामला दर्ज हो और जनता को डराने वाले सरपंच, सचिव तथा अपनी जेबें भरने वाले इंजीनियर पर सख्त कार्यवाही की मांग स्थानीय ग्रामीणों ने की है।

होटलों और ढाबों में परोसी जा रही अवैध शराब

दोपहिया वाहन से ग्रामों तक पहुंचाई जा रही शराब की खेप

आबकारी विभाग मौन, कब होगी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानों व होटलों पर धड़ल्ले से अवैध शराब बेची जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों को मामले की जानकारी होने के बावजूद इस बारे मे कोई कार्यवाही नही किए जाने से नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोगों के हौसले बुलंद हो गए हैं। नगर के होटल ढाबों सहित आस-पास के ग्रामों तथा गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री को लेकर आबकारी विभाग के द्वारा कार्यवाही करने को तैयार नहीं है, जिसके कारण शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद है। कोतमा क्षेत्र में गांव-गांव सहित कोतमा बस स्टैंड के आगे भट्टी टोला, दफाई टोला, विकास नगर, कॉलेज तिराहा के आगे पतेराटोला, गोविंदा कॉलोनी, हाईवे के किनारे, वार्ड क्रमांक 11, कदमटोला सहित ग्रामीण क्षेत्र के निगवानी, गढ़ी, लामाटोला, सेमरिया चौराहा सहित नगर के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 सडक़ के किनारे काफी संख्या में दुकानदार अवैध रूप से शराब बेचने में लगे हुए हैं, काफी समय से अवैध शराब बेचे जाने की प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद आज तक किसी भी दुकानदार के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई। इससे कस्बे में अवैध शराब बेचने का कारोबार फल फूल-रहा है। शाम होते ही अवैध शराब बेचने का धंधा सरेआम चलता है। नगर में शराब का ठेका होने के बावजूद शराब पीने के शौकीन लोगों को दुकानों से आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है। जिससे नगर का वातावरण बिगड़ रहा है। आसपास के गांव में भी अवैध शराब बिकने का काम जोरों पर है। अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोग ठंडी बीयर भी ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं। कस्बे में अवैध शराब बेचने वालों की संख्या में दिन प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही है।

मोटरसाइकिल से पहुंचाई जाती है शराब

नगर में शराब ठेकेदार के द्वारा शराब पहुंचाने के लिए दो आदमियों को रखा गया है। जो सुबह दुकान खुलते ही मोटरसाइकिल में सफेद बोरी में भरकर नगर सहित कोयलांचल क्षेत्र के कालोनियां एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शराब पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी आबकारी विभाग को ना हो लेकिन कोई पुख्ता कार्यवाही न होने के कारण शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद हैं। 1 अप्रैल से अनूपपुर जिले में शराब का नया ठेका प्रारंभ हुआ है, तब से लगातार शराब ठेकेदार के द्वारा कंपोजिट शराब दुकान के माध्यम से जिले भर में मनमानी रेट पर शराब बेचने को लेकर उतारू है वहीं इसकी शिकायत कई बार सीएम हेल्पलाइन में हो चुकी है, फिर भी आबकारी विभाग इन पर कार्यवाही करने को तैयार नहीं है, वहीं ठेकेदार अपने मनमानी पर उतारू है, कई बार तो एमआरपी रेट से अधिक रेट पर शराब बेचने पर सेल्समेन तथा ग्राहक के बीच विवाद भी हो चुके हैं, जिस पर उल्टा ग्राहक के ऊपर मामला पंजीबद्ध भी हो चुका है। अवैध शराब बिक्री को लेकर आबकारी विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है, जिसके कारण शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद है, और शराब ठेकेदार अपने मनमर्जी पर उतारू है, जबकि अवैध शराब पकड़ने के लिए आबकारी विभाग मौजूद है फिर भी शराब ठेकेदार के गुर्गे लगातार अपने शराब को जगह-जगह पहुंचा जा रहा है, और फ्लाइंग स्क्वायड भी शराब ठेकेदार के पास उपलब्ध हैं, जो शराब की बिक्री दिनरात करते नजर आते हैं, जिस पर भी आबकारी विभाग के द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही स जिसके कारण शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद हैं।

पेट्रोल पंपों पर आये दिन डीजल-पेट्रोल की किल्लत

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पेट्रोल पंपों पर आये दिन डीजल-पेट्रोल की किल्लत और खाली टैंक की समस्या मुख्य रूप से डीलर-स्तरीय आपूर्ति सप्लाई में रुकावट या घबराहट में की जाने वाली खरीदारी पैनिक बाइंग के कारण हो रही है। सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश में कच्चे तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। हालांकि, जमीन स्तर पर आये दिन पेट्रोल डीजल की किल्लत नगर के पेट्रोल पंपों मे बनी रहती है। बताया जाता है कि इसका मुख्य कारण औद्योगिक और वाणिज्यिक मांग का रिटेल में शिफ्ट होना थोक बल्क और खुदरा रिटेल डीजल की कीमतों में बड़ा अंतर होने के कारण, अक्सर औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग करने वाले लोग पेट्रोल पंपों से भारी मात्रा में डीजल खरीद लेते हैं, जिससे पंप जल्दी खाली हो जाते हैं। कई बार डिपो से पेट्रोल पंप तक तेल पहुंचाने वाले टैंकर समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। अक्सर किल्लत की खबरों के बीच लोग अपनी टंकियों को फुल कराने की होड़ में लग जाते हैं, जिससे पंपों पर अचानक भारी भीड़ जमा हो जाती है और कुछ ही घंटों में स्टॉक खत्म हो जाता है। बुधवार को नगर के ज्योति पेट्रोल पंप, अग्रवाल पेट्रोल पंप पूरी तरह से ड्राई रहा। लोग पूरे दिन चक्कर लगाते रहे, लेकिन पेट्रोल डीजल नहीं मिला। जहां पर उपलब्धता रहीं वहां भीड़ काफी अधिक थी। साथ ही नगर के सात पेट्रोल पंपों मे डीजल पूरी तरह से ड्राई रहा। ग्रामीण क्षेत्र में भी कई पेट्रोल पंपों पर डीजल, पेट्रोल उपलब्ध नहीं रहा। जिन पंपों पर उपलब्धता रहा वहां पर ग्राहकों की भारी भीड़ लगी रही। ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण वाहन चालकों में चिंता का माहौल है। खासकर किसान, मालवाहक वाहन चालक और दैनिक आवागमन करने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। वाहन चालकों का कहना है कि यदि जल्द ही पर्याप्त मात्रा में ईंधन की आपूर्ति नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। उधर पेट्रोल पम्प संचालकों का कहना है कि उपलब्ध स्टॉक को देखते हुए सीमित मात्रा में ही ईंधन दिया जा रहा है। आपूर्ति सामान्य होते ही समस्या का समाधान हो जाएगा।

विश्व साइकिल दिवसः युवा शक्ति का अनूठा अभियान

2 किमी साइकिल चलाकर जगाई स्वच्छता और स्वास्थ्य की चेतना

उमरिया-बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण और शारीरिक निष्क्रियता के दौर में साइकिल आज भी स्वास्थ्य, सादगी और सतत विकास का सबसे मजबूत प्रतीक मानी जाती है. उमरिया जिले की युवा टीम ने इस सोच को केवल विचारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे धरातल पर उतारते हुए साइकिल को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बना दिया है।

उमरिया कलेक्टर राखी सहाय के मार्गदर्शन पर युवा टीम उमरिया के द्वारा विश्व साईकल दिवस के अवसर पर साइकिल मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। साइकिल रैली का शुभारंभ माँ बिरासिनी क्रिकेट स्टेडियम पाली से वरिष्ठ समाजसेवी पं. प्रकाश पालीवाल,पाली पुलिस सहायक उपनिरीक्षक एस. बी सिंह, प्रधान आरक्षक अजय सिंह परिहार, आरक्षक सुदीप पटेल, कार्यक्रम संयोजक हिमांशु तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साइकिल रैली नगर के विभिन्न मुख्य मार्गो बस स्टैंड, प्रकाश चौराहा, थाना रोड व स्वागत गेट होते हुए स्टेडियम में समापन किया गया। साइकिल मिनी मैराथन के दौरान सभी युवाओं ने अपने हाथों पर तिरंगा उठाकर भारत माता की जय वंदे मातरम के जय घोष के साथ अपनी सहभागिता निभाई। वरिष्ठ समाजसेवी पं. प्रकाश पालीवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए लोगों को साइकिल अपनाने का संदेश दिया।विश्व साइकिल दिवस पर देश के युवाओं से विशेष अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को साइकिलिंग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा , 'यह केवल एक व्यायाम या एक दिन की हॉबी नहीं, बल्कि सशक्त और स्वस्थ जीवन शैली की पहचान है।

पाली पुलिस सहायक उप निरीक्षक एस. बी सिंह ने उपस्थित युवाओं से कहा कि साइकिल हमें फिट रखती है, शरीर को ऊर्जावान बनाती है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखती है।

कार्यक्रम संयोजक हिमांशु तिवारी ने बताया कि इस साल साइकिल दिवस की थीम एक हरित भविष्य के लिए साइकिल चलाना है। इसी संदेश को देशभर में प्रेसित किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान से बड़ी संख्या में युवा जुड़ हैं. युवाओं को खेल, दौड़, साइकिलिंग, योग और अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया गया। आज युवाओं को सही दिशा और सकारात्मक मंच की आवश्यकता है. युवा खेल और फिटनेस से जुड़ेंगे तो वे न केवल स्वयं स्वस्थ रहेंगे, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकेंगे।विश्व साइकिल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ शरीर, स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य के लिए छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। साइकिल रैली में उपस्थित समस्त युवाओं व पुलिस अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

साइकिल रैली के दौरान वरिष्ठ समाज में पंडित प्रकाश पालीवाल, पाली पुलिस सहायक उप निरीक्षक एस. बी सिंह, प्रधान आरक्षक अजय सिंह, आरक्षक सुदीप पटेल, प्रमोद जाटव, रामखेलावन राठौर, कार्यक्रम संयोजक हिमांशु तिवारी, अभिनव द्विवेदी, राहुल सिंह, श्रीराम तिवारी,नेहा सिंह, श्रद्धा सिंह परिहार,चारवी तिवारी,दीप्ति सिंह,आँचल तिवारी,मानवी सिंह,पुर्वी तिवारी,योशोदा कोल,खुशी कोल,सान्या सिंह,रुद्र प्रधान,अतिव्य रजक,शुभम पटेल,सत्यम सेन,अमन बर्मन, युवराज सिंह,प्रणव सिंह,निरंजन कुशवाहा, धनराज बर्मन, ऋषभ रजक, निशांत रजक, रिफा खातून व सभी युवा शक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन में सभी युवाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

खबर संक्षेप

4 महीने में चौथी बार एक ही बस से डीजल साफ

शहडोल। जिले का जैतपुर थाना क्षेत्र इन दिनों चोरों की सुरक्षित चरागाह बन चुका है, जहां खाकी का इकबाल पूरी तरह जमींदोज हो चुका है। इलाके में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। मामला किसी सूनी जगह का नहीं, बल्कि मुख्य सडक किनारे घर के सामने खड़ी एक यात्री बस का है, जिसे चोरों ने पिछले 4 महीनों में चौथी बार अपनी डकैती का निशाना बनाया है। बार-बार हो रही इन दुस्साहसिक वारदातों ने जैतपुर पुलिस की गश्त और सुरक्षा दावों की कलई खोलकर रख दी है। वाहन मालिकों में अब पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश पनप रहा है।

50 लीटर डीजल पार

जैतपुर से कोतमा के बीच चलने वाली बस के मालिक दिनेश शुक्ला ने बताया कि रोजाना की तरह उनकी बस बलभद्रपुर नंबर 1-जैतपुर-झींक-बिजुरी मुख्य मार्ग पर स्थित उनके घर के सामने खड़ी थी। सुबह जब ड्राइवर बस चालू करने पहुंचा, तो उसके होश उड़ गए। शातिर चोरों ने बस के डीजल टैंक का लॉक कटर से काट दिया था और उसमें भरा करीब 50 लीटर से अधिक का डीजल पार कर चुके थे।

सीसीटीवी में कैद हुए बोलेरो वाले चोर

हैरानी की बात यह है कि लगातार हो रही चोरियों से परेशान होकर बस मालिक ने अपने घर के बाहर निजी खर्च पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। पूर्व में हुई चोरी की वारदात कैमरे में साफ रिकॉर्ड हुई थी, जिसमें बोलेरो गाड़ी से आए कुछ शातिर अपराधी कटर और गैलन लेकर बस से डीजल चुराते साफ दिख रहे थे। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने हर बार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई और पुलिस को बकायदा आरोपियों का चेहरा और गाड़ी नंबर वाला सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा, लेकिन जैतपुर पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। इसी प्रशासनिक ढुलमुल रवैये का नतीजा है कि चोरों के हौसले बुलंद हैं।

शारदा ओसीएम में महासंग्रामः अनशनकारियों को किया गिरफ्तार

शहडोल। जिले के शारदा ओसीएम खदान के गेट पर अपनी जायज मांगों को लेकर चल रहे विस्थापितों के मरण अनशन को आज प्रशासन ने अपनी ताकत के बल पर कुचल दिया। 3 जून को खदान पूरी तरह ठप करने के ग्रामीणों के अल्टीमेटम से डरे और कांपे एसईसीएल प्रबंधन तथा जिला प्रशासन ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए आधी रात को बर्बरतापूर्वक कार्रवाई की। बुढार तहसीलदार की मौजूदगी में भारी पुलिस बल ने अनशन स्थल पर धावा बोलकर अमरण अनशन पर बैठे तमाम आंदोलनकारियों को जबरन गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन की इस दमनकारी कार्रवाई के बाद पूरे कोयला अंचल में हालात बेहद विस्फोटक और तनावपूर्ण हो चुके हैं।हैरानी की बात यह है कि पिछले कई दिनों से भूखे-प्यासे बैठे ग्रामीणों की सुध लेने के बजाय प्रशासन उनके हौसले को तोडने में जुटा रहा। अनशन के चलते कई आंदोलनकारियों की तबीयत वेंटिलेटर तक पहुंच चुकी थी और वे अस्पताल में भर्ती थे, लेकिन उनकी फरियाद सुनने के बजाय कॉरपोरेट घराने को फायदा पहुंचाने के लिए खाकी ने हंटर चमका दिया। जैसे ही ग्रामीणों ने आर-पार की जंग का ऐलान करते हुए खदान के चक्के जाम करने की चेतावनी दी, वैसे ही पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट हो गया और हक मांग रहे गरीब ग्रामीणों को मुजरिमों की तरह उठा लिया गया।

कलेक्टर सभागार उमरिया में भारतीय किसान संघ उमरिया की बैठक संपन्न

उमरिया। बुधवार को भारतीय किसान संघ उमरिया की कलेक्टर महोदया की अध्यक्षता में कृषि विभाग, उद्यानकी, कृषि विज्ञान केंद्र,लीड बैंक, राजस्व एवं कृषि से संबंधित सभी विभागों के साथ कलेक्टर सभागार उमरिया बैठक संपन्न किया गया, बैठक में भारतीय किसान संघ जिला अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने उमरिया जिले के किसानों की तरफ से समस्याओं को रखा जिला अध्यक्ष ने बताया कि पिछली हमारी जो बिन्दु बार शिकायत थी उन शिकायतों पर कलेक्टर महोदय ने संज्ञान में लेते हुए जानकारी ली और बताया गया कि कुछ न्यायालय के समक्ष हैं आज फ़िर भारतीय किसान संघ ने कुछ बिन्दु पर शिकायत पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किए भारतीय किसान संघ जिला अध्यक्ष द्वारा विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तार से बातों को रखा गया, जिसमें कलेक्टर महोदया द्वारा प्रत्येक बिंदु वार जानकारी लेकर उपस्थित सभी विभागों के प्रमुखों को किसानों की समस्याओं पर कार्यवाही के लिए कहा एवं भारतीय किसान संघ की आश्वत किया की किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाएगा, कलेक्टर सभा घर बैठक, गंगा कोल माइन्स कंपनी एवं बजरंग कोल माइन्स कंपनी कि पर्यावरण जनसुनवाई का मामला उठाया गया जिसे भारतीय किसान संघ ने भेदभावपूर्ण से फॉर्मेलिटी कर पूरा किया गया कहा गया, भारतीय किसान संघ के द्वारा दोनों कंपनियों द्वारा कराया गया पर्यावरण जनसुनवाई एवं सम्मिलित अधिकारियों की जांच की मांग उठाई है, संघ स्पष्ट किया है कि रेड कॉर्पोरेट वाले अधिकारियों की अध्यक्षता की बैठक उन्हें मंजूर नहीं है, उसकी स्पष्ट जांच एवं कार्यवाही हो, जांच न होने पर संघ रोड में उतरने को विवश है एवं व्यापक आंदोलन का रूप लेगा, प्रशासन किसानों की सरलता को उनकी कमजोरी ना समझे, अगर किसान पूरे देश का पेट भर सकता है तो अपने अधिकारियों के लिए लड़ना भी जानता है, आंदोलन की जवाबदेही शासन प्रशासन की होगी, उमरिया से जिला प्रचारक श्याम गुप्ता, शशिकांत शुक्ला, रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, भामानायक, राजू, मुन्ना चाचा, पुरुषोत्तम सिंह एवं अन्य किसान बंधु उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष सुश्री प्रधान जी का वार्ड क्रमांक 2 का औचक निरीक्षण

बिरसिंहपुर पाली। नगर पालिका परिषद पाली की अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान विगत दिनों वार्ड क्रमांक 2 मैरटोला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टूटी नाली एवं जल जमाव पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए तुरंत ही नाली सफाई का आदेश दिया था एवं जनता की मांग पर नाली मे जहां गंदा पानी भरा था वहां बरसात से पहले ही सीमेंट का ढोला लगाने का आदेश दिया है निरीक्षण के दौरान बाघेशुर बाबा में चल रहे भागवत पुराण कथा का श्रवण किया एवं आदिवासी बैगा महिलाओं के साथ बैठकर प्रसाद भी ग्रहण की। सुश्री प्रधान जी जाते-जाते पुनः वादा किया की बरसात से पहले ही नाली में सीमेंट का ढोला लग जाएगा । जिसका वार्ड वासियों ने जोरदार स्वागत किया। सुश्री प्रधान जी के साथ कई अन्य वार्ड पार्षद भी मौजूद रहे।

किसानों का फूटा गुस्साः जब तक पुनर्वास नहीं, तब तक कोयला खनन नहीं

शहडोल। पुनर्वास, रोजगार और परिसंपत्तियों के मुआवजे को लेकर प्रबंधन की लगातार वादाखिलाफ़ी से नाराज रामपुर क्षेत्र के विस्थापित किसानों का सब्र अब पूरी तरह टूट चुका है। रामपुर, बटुरा, बिछिया और अतरिया गांव के सैकड़ों किसानों ने एकजुट होकर प्रबंधन और जिला प्रशासन के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है।

किसानों ने दोटूक लहजे में चेतावनी दी है कि जब तक उनके संपूर्ण मुआवजे और पुनर्वास की कार्रवाई पूरी नहीं होती, तब तक इलाके में कोई भी आम सभा या बैठक नहीं होने दी जाएगी और पूरी खदान को अनिश्चितकाल के लिए बंद रखा जाएगा।

कलेक्टर की बैठक के बाद भी सिर्फ मिला झूठा आश्वासन

किसानों का आरोप है कि आंदोलन दबाने के लिए हर बार 15 दिन या महीने भर का लॉलीपॉप थमा दिया जाता है। पूर्व में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में सोहागपुर हाउस में एक बड़ी बैठक हुई थी, जिसमें प्रशासन को गुमराह करते हुए 15 दिन से एक महीने के भीतर काम पूरे करने का वादा किया गया था, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा।

महाप्रबंधक के चार्ज लेते ही रोजगार पर लगा ग्रहण

किसानों के गुस्से का मुख्य केंद्र महाप्रबंधक भू-राजस्व बी.के. लाल का अड़ियल रवैया है। ग्रामीणों ने तीखा आरोप लगाया कि जब से लाल साहब ने प्रभार लिया है, विस्थापितों को रोजगार मिलना पूरी तरह बंद हो गया है। जब किसान उनसे बात करते हैं, तो वे अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहते हैं कि मेरी नौकरी के सिर्फ 4 महीने बचे हैं, मैं कोई रिस्क नहीं लूंगा। किसानों ने कोलियरी मुख्यालय के आला अफसरों से सवाल किया है कि वे देखें कि एक गैर-जिम्मेदार अफसर की वजह से रोजगार की गति अचानक क्यों थम गई है?

खाकी और कंपनी की उड़ेगी नींद

मंगलवार को सौंपे गए ज्ञापन के दौरान क्षेत्र के कई दिग्गज नेता और सैकड़ों किसान मौजूद रहे। इनमें जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति मनमोहन चौधरी, जनपद सदस्य कुमार तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, पूर्व सरपंच झोले बैगा, प्रमोद बैगा, उप सरपंच शिवप्रसाद चौधरी, त्रिवेणी राव, गुलजार राठौर और उधो साहू सहित भारी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। किसानों ने साफ कर दिया है कि यदि खदान बंद होने के बाद कानून-व्यवस्था बिगड़ती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन की होगी।

बिजली बिल न भरने पर विद्युत विभाग की बड़ी कार्रवाईः साबो ग्राम से उतारा गया निजी ट्रांसफार्मर, 82 हजार से अधिक का था बकाया

बुढार। मध्य प्रदेश विद्युत वितरण सब-डिवीजन के अंतर्गत आने वाले ग्राम साबो में आज विद्युत विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यावसायिक परिसर से ट्रांसफार्मर जब्त कर लिया है। विभाग द्वारा यह कदम लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान न करने और भारी बकाया राशि होने के चलते उठाया गया है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम साबो के उपभोक्ता शुभम तिवारी (सेवा क्रमांकः 1102047410) ने 'पोस्ट्स फूट' के व्यावसायिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए विभाग से एक विशेष ट्रांसफार्मर का कनेक्शन लिया था।

अगस्त से नहीं हुआ था भुगतान

विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता विकास गोदूडे ने बताया कि उपभोक्ता द्वारा पिछले वर्ष अगस्त 2025 के बाद से ही बिजली बिलों का नियमित भुगतान नहीं किया जा रहा था। समय पर बिल जमा न करने की स्थिति में उपभोक्ता पर कुल 82हजार,8 सौ 17 रुपये की राशि बकाया हो गई थी।

विभाग ने की जब्ती की कार्रवाई

बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी जब बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो आज दिनांक 03 जून 2026 को विद्युत वितरण सब-डिवीजन की टीम ने मौके पर पहुँचकर ट्रांसफार्मर को निकालने (उतारने) की सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया।

विभाग

विद्युत सब-डिवीजन के अधिकारियों ने सख्त लहजे में कहा है कि क्षेत्र में बकायादारों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। कानूनी और दंडात्मक कार्रवाइयों से बचने के लिए सभी उपभोक्ता समय पर अपने बिजली बिलों का भुगतान सुनिश्चित करें।

रातभर चली 'कॉम्बिंग गश्त', बुढ़ार पुलिस ने दबोचे 10 स्थाई वारंटी

बुढार। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने एक बार फिर कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशानुसार, विगत 30 और 31 मई 2026 की दरमियानी रात शहडोल जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक विशेष 'कॉम्बिंग गश्त' (सघन चेकिंग अभियान) चलाया गया। इस अभियान के तहत पुलिस बल ने पूरी रात जागकर अपराधियों के खिलाफ अब तक की सबसे प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में रातभर दी गई दबिश

इस विशेष अभियान की कमान खुद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाल रखी थी। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी और भारी पुलिस बल ने एक साथ पूरे जिले में दबिश दी। कार्रवाई के मुख्य बिंदुः,लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ की गई।निगरानी सूचियों में शामिल गुंडे-बदमाशों की कड़ाई से चेकिंग हुई।सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र के होटल, लॉज और ढाबों पर भी सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।मुख्य फोकस गंभीर अपराधों के फरार आरोपियों और महिला संबंधी अपराधों के आदतन अपराधियों पर रहा।

बुढ़ार पुलिस की बड़ी सफलताः एक ही रात में 10 स्थाई वारंटी गिरफ्तार

इस अभियान के तहत बुढ़ार थाना पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। थाना क्षेत्र के विभिन्न मामलों में लंबे समय से आंख-मिचौली खेल रहे 10 स्थाई वारंटियों को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया।

गिरफ्तार किए गए वारंटियों की सूचीः,महेश सिंह (पिता महंतु सिंह गोड़) – निवासीः कनवाही घरती टोला,पप्लू सिंह (पिता चेतन गौड़) – निवासीः चन्नौडी,राकेश भिम्मा (पिता कूपाल धुर्वे) – निवासीः केशवाही,गोविंद चौधरी (पिता जय लाल) – निवासीः हथगला केशवाही,मोती लाल यादव (पिता केमला) – निवासीः कोठी झीकबिजुरी जैतपुर,रज्जू यादव (पिता मदन) – निवासीः बिजहरी टोला हरी,मिथुन बैगा (पिता स्व. सुखलाल) – निवासीः ठोलकू, केशवाही,अमर सोनी (पिता स्व. विनोद) – निवासीः केशवाही,संगीता (पति प्रेमलाल बैगा) – निवासीः सरईकापा को पकड़कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

बुढार थाने की टीम की रही सराहनीय भूमिका,

बुढ़ार क्षेत्र में इस पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने में नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में एएसआई ज्ञानेंद्र सिंह, राजेन्द्र तिवारी, राजा बगरी, प्रधान आरक्षक शंकर प्रजापति और आरक्षक गोपाल सिंह सहित बुढार थाने की पूरी टीम का सराहनीय और उल्लेखनीय योगदान रहा। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

अलग अलग हादसों में एक की मौत, दो घायल

कटनी। बरही थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। यह हादसा कुदरी तिराहा गैरतलाई रोड पर हुआ। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल क्रमांक MP 19 ZD 4915 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए गुलाब बाई विश्वकर्मा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला पंजीकृत किया है। इसी तरह कोतवाली थाना क्षेत्र में अलग अलग स्थानों में हादसे हुये। पहला हादसा मुड़वारा स्टेशन के पास नर्सिंग मंदिर के समीप हुआ, जहाँ एक अज्ञात वाहन ने ईशांक सहानी को टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। दूसरा हादसा वैलट घाट मोड़ के आगे पुलिया के पास हुआ, जहाँ तेज रफ्तार के कारण अनिल श्रीवास्तव और झल्लू लाल पटेल सड़क हादसे का शिकार होकर बुरी तरह घायल हो गए।

स्व. सुरेश चंद्र जैन के पौत्र शुभ जैन बने जूनियर इंजीनियर, धनपुरी का बढ़ाया मान

धनपुरी। नगर के प्रतिष्ठित जैन परिवार के युवा शुभम जैन ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और लगन के बल पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (मप्र शासन उपक्रम) में जूनियर इंजीनियर (कनिष्ठ अभियंता) पद पर चयन प्राप्त किया है। कंपनी द्वारा जारी अभ्यर्थियों की सूची में शुभम जैन ने वरीयता सूची में स्थान बनाकर परिवार एवं नगर का गौरव बढ़ाया है।

स्वर्गीय सुरेश चंद्र जैन के पौत्र, सुजीत जैन एवं सपना जैन के सुपुत्र शुभ जैन की इस सफलता से पूरे जैन परिवार में हर्ष का वातावरण है। परिवार के बुजुर्गों का सपना और माता-पिता की वर्षों की मेहनत व प्रेरणा आज साकार होती दिखाई दे रही है। शुभम की इस उपलब्धि को परिवार के संस्कार, शिक्षा और निरंतर परिश्रम का परिणाम माना जा रहा है।

चयन की सूचना मिलते ही परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने शुभ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। बधाई देने वालों में केदार अग्रवाल (एडवोकेट), बृजवासी अग्रवाल, राजू अग्रवाल, अरुण शर्मा, विजय शर्मा, सुजीत जायसवाल,एस पी सिंह, रामसिंह वीरेंद्र पांडे, विवेक खंडेलवाल सहित अनेक नागरिक शामिल रहे।

नगरवासियों ने कहा कि शुभ जैन की सफलता धनपुरी के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और पारिवारिक संस्कारों के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शुभ की इस सफलता से न केवल जैन परिवार बल्कि पूरा धनपुरी नगर गौरवान्वित है।

खबर संक्षेप

अनूपपुर की बेटी आंचल पुरी ने रचा इतिहास

अनूपपुर। जिले की प्रतिभाशाली छात्रा कुमारी आंचल पुरी ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 में शानदार सफलता प्राप्त करते एसटी पीडब्लूडी श्रेणी में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर अनूपपुर सहित पूरे मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। आंचल पुरी, ग्राम एवं पोस्ट पयारी नंबर-1, जिला अनूपपुर निवासी हैं। उनके पिता रविशंकर पुरी शिक्षक हैं। आंचल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय माध्यमिक विद्यालय पयारी नंबर-1 से प्राप्त की। इसके बाद कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक से पूरी की। जेईई एडवांस की तैयारी के लिए उन्होंने एक वर्ष तक वाराणसी में विशेष अध्ययन किया। कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा माता-पिता के निरंतर सहयोग के बल पर उन्होंने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। आंचल की इस सफलता से जिले में खुशी का माहौल है। शिक्षा जगत, सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी उपलब्धि जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आंचल पुरी की यह सफलता साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के दम पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

किसानों को कम ब्याज में कृषि ऋण और बीमा सुरक्षा देता है किसान क्रेडिट कार्ड

अनूपपुर। किसानों को फसल की बोनी के समय खाद-बीज, कृषि उपकरण तथा अन्य खेती से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों के पास अधिक पूंजी न होने के कारण खेती में निवेश करने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सबसे कारगर उपाय है। बैंकों के माध्यम से सभी छोटे-बड़े किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से बैंक किसान को कम अवधि की राशि चार प्रतिशत ब्याज की दर से देती है। किसान फसल आने पर यदि समय पर ऋण राशि चुका देते हैं तो उन्हें अगली फसल के लिए पुनः राशि जारी कर दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड में फसलों के लिए सरलता से ऋण मिलने के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दिया जाता है। अधिकतम 70 वर्ष तक के किसानों को किसान क्रेडिट कार्डधारी होने पर मृत्यु की दशा में परिजनों को 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। दुर्घटना में या अन्य कारण से स्थाई विकलांगता होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। इस संबंध में कृषि विभाग ने बताया कि सभी किसान बैंकों के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड बनवा सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए जमीन का खसरा आवेदन पत्र के साथ बैंक में प्रस्तुत करना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में किसान का नाम, पता, जमीन की जानकारी तथा अवधि अंकित होती है। किसान क्रेडिट कार्ड पाँच वर्ष के लिए वैध होता है। इसके बाद इसकी कार्यशील पूंजी का नवीनीकरण वार्षिक आधार पर किया जाता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण राशि की अधिकतम सीमा फसल के अनुसार निर्धारित रहती है। बैंक द्वारा तीन लाख रुपए तक के केसीसी में कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाता है। किसान जितनी राशि का उपयोग करता है उस पर ही ब्याज देय होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ब्याज की दर सात प्रतिशत निर्धारित है। लेकिन किसान समय पर ऋण राशि अदा कर देता है तो उसे तीन प्रतिशत ब्याज में छूट मिलती है। किसान को केवल चार प्रतिशत ब्याज ही देना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसान अपनी खेती को आधुनिक बना रहे हैं।

मायके गई पत्नी से नाराज पति ने मासूम पुत्री की गला काटकर कर दी हत्या

दुसरे मामले मे प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह, पोखरी डैम में बोरी बांधकर फेंका गया युवक का शव पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाई हत्या की गुथ्थी, सभी आरोपी गिरफ्तार

जिले के थाना थाना राजेंद्रग्राम क्षेत्र के ग्राम बेंदी में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां पत्नी के मायके से वापस न लौटने से परेशान पति ने अपनी ही 4 वर्षी पुत्री की गला काटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और शव पंचनामा तैयार करने के साथ ही मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

हरिभूमि न्यूज›अनूपपुर।

घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि ग्राम बेंदी निवासी अमरवती मरावी ने पुलिस को बताया कि उसका पति गोवर्धन सिंह मरावी अक्सर शराब के नशे में उससे झगड़ा और मारपीट करता था। इसी कारण वह आठ दिन पहले अपनी 4 वर्षीय बेटी प्रीति मरावी और 1 वर्षीय बेटे के साथ मायके ग्राम केशवानी अपने मायके चली गई थी। 30 मई को गोवर्धन सिंह मायके पहुंचा और पत्नी को वापस ससुराल चलने के लिए कहा। पत्नी ने उसके शराब छोड़ने तक साथ न जाने की बात कही। इसके बाद गोवर्धन अपनी बेटी प्रीति को जबरन अपने साथ ग्राम बेंदी ले गया। महिला ने बताया कि मंगलवार की रात उसकी बहन के मोबाइल पर गोवर्धन का फोन आया। जिसने धमकी देते हुए कहा कि यदि वह घर नहीं आई तो उसकी बेटी प्रीति को मार देगा। इसके बाद महिला अपने माता-पिता के साथ तत्काल ससुराल पहुंची। घर पहुंचने पर गोवर्धन वहां नहीं मिला। परिजनों के द्वारा 4 वर्षीय पुत्री की तलाश करने पर घर के भीतर शव खून से लथपथ और गला कटा हुआ मिला। बच्ची की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ हत्या सहित अन्य संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने बताया कि आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया हैं। आरोपी शराबी था जो आए दिन शराब पीकर पत्नी से मारपीट करता था जिसके कारण उसकी पत्नी चली गई थी और इस पर दबाव बनाने के लिए आरोपी ने पहले फोन पर ऐसा करने की धमकी उसे दी और बाद में घटना को अंजाम दिया।

दुसरे मामले मे प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह

भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में पोखरी डैम से युवक का शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेम प्रसंग से नाराज युवती के परिजनों और उनके सहयोगियों ने युवक की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। शव को ठिकाने लगाने के लिए कमर में रेत से भरी बोरी बांधकर पोखरी डैम में फेंक दिया गया था। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार 2 जून को पुलिस को सूचना मिली थी कि ओसीएम छोहरी स्थित पोखरी डैम में एक अज्ञात युवक का शव पानी में तैर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान ग्राम छोहरी निवासी 18 वर्षीय सनि उर्फ मोटू सहीस के रूप में की। शव की स्थिति संदिग्ध थी तथा कमर में रस्सी से रेत भरी बोरी बंधी हुई थी। मृतक के पिता रंजू सहीस की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह मरकाम तथा एसडीओपी आरती शाक्य के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि मृतक का उनकी सगी भांजी से पिछले तीन-चार वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। कई बार समझाने के बावजूद युवक संबंध समाप्त करने को तैयार नहीं था। आरोपियों ने 29 मई की रात सनि सहीस को मोटरसाइकिल से ग्राम छोहरी की बड़ी पुलिया के पास बुलाया। वहां रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को मोटरसाइकिल में लादकर ओसीएम के पोखरी डैम में ले जाया गया और पहचान छिपाने के उद्देश्य से कमर में रेत भरी बोरी बांधकर पानी में फेंक दिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, हत्या में इस्तेमाल रस्सी तथा मृतक का मोबाइल और दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले के खुलासे में थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरीक्षक उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में डीएस बागरी, चन्द्रहास बांधेकर, कमलेश शुक्ला, ईश्वर यादव, कृपाल सिंह, चक्रधर तिवारी, देवेन्द्र तिवारी, प्रदीप यादव, दिनेश किराडे, ज्योति मालवीय तथा साइबर सेल के राजेन्द्र अहिरवार और पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता-सीईओ

शिविर में आए कुल 99 आवेदन, समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

पुष्पराजगढ़ के ग्राम परसवार में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने कहा है कि आमजन की समस्याओं का समाधान शासन-प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता है तथा जनता की संतुष्टि ही प्रशासन की सफलता का वास्तविक मापदंड है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी आज जनपद पंचायत पुष्प राजगढ़ के ग्राम पंचायत परसवार में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर को संबोधित कर रही थी। जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान कुल 99 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का संबंधित विभागों के मैदानी अधिकारियों द्वारा तत्परता से मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष आवेदनों के निराकरण हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने समय-सीमा निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशुपालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, विद्युत, कृषि, उद्यानिकी, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी एवं जानकारीपरक स्टॉल लगाए गए। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर उपस्थित ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भुवनेश्वरी धुर्वे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ गणेश कुमार पांडेय, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पुष्पराजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रुद्रगंगा नदी के उद्गम स्थल पर हुआ श्रमदान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के कुशल मार्गदर्शन में जिला अनूपपुर के पुष्पराजगढ़ विकासखंड में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जल स्रोतों की स्वच्छता और कायाकल्प का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत जन अभियान परिषद के नेतृत्व में सेवा दल, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने माँ नर्मदा की सहायक नदी श्रुद्रगंगाश के उद्गम स्थल पर पहुँचकर वृहद स्तर पर सामूहिक श्रमदान किया। इस दौरान पूरे परिसर और जल स्रोत के आसपास की सघन साफ़-सफ़ाई की गई। उद्गम स्थल की स्वच्छता के पश्चात यह स्वच्छता जागरूकता यात्रा ग्राम मोहदी, पडरीटोला, खाले, हर्राई और रुदी टोला पहुँची। इन सभी ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल और जन-संपर्क के माध्यम से नागरिकों को अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों को समझाया गया कि नदियों और पानी के पारंपरिक स्रोतों में कचरा न फेंकें, ताकि पानी का प्राकृतिक प्रवाह और शुद्धता बनी रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपने गांवों के जल स्रोतों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। इस विशेष प्रयास में विकासखंड समन्वयक पुष्पराजगढ़ फते सिंह, नवांकुर संस्था चंद्रशेखर आजाद के प्रतिनिधि, प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी, परामर्शदाता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ स्थानीय सरपंचों व जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

अमरकंटक में पांच दिनों से संचार संकट

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक इन दिनों गंभीर संचार संकट से जूझ रही है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की मोबाइल नेटवर्क सेवा पिछले पांच दिनों से पूरी तरह बाधित होने के कारण स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, शासकीय कार्यालयों तथा दूर-दराज से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेटवर्क सेवा ठप होने से संचार व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बीएसएनएल उपभोक्ता अपने परिजनों एवं आवश्यक सेवाओं से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ हैं। वहीं तीर्थाटन और पर्यटन के उद्देश्य से अमरकंटक पहुंचे श्रद्धालु एवं सैलानी भी मोबाइल नेटवर्क के अभाव में असुविधा महसूस कर रहे हैं। डिजिटल युग में मोबाइल संचार जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है, ऐसे में नेटवर्क बंद होने से ऑनलाइन भुगतान, बैंकिंग लेन-देन, शासकीय कार्य तथा अन्य आवश्यक डिजिटल सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नेटवर्क बाधित होने के कारणों एवं सुधार कार्य की प्रगति के संबंध में बीएसएनएल प्रशासन द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उपभोक्ताओं को यह तक नहीं बताया जा रहा कि सेवा कब तक पुनः बहाल हो सकेगी।

कार्यकर्ता कौशल श्रद्धा संवर्धन शिविर संपन्न नशामुक्ति और संस्कार निर्माण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन एवं मध्यप्रदेश जोन भोपाल के मार्गदर्शन में उपजोन अमरकंटक में चार दिवसीय कार्यकर्ता कौशल श्रद्धा संवर्धन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का संचालन प्रांतीय प्रशिक्षक टोली द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 100 प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता कर विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं देव पूजन के साथ हुआ। प्रशिक्षक डॉ. रमेश अभिलाषी, सहायक टोली नायक विक्रम सिंह पाटीदार, संगीत प्रशिक्षक सौरभ गुप्ता तथा उपजोन प्रभारी जे.पी. सिंह की उपस्थिति में अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। शिविर के दौरान कर्मकांड की बारीकियों, कार्यकर्ता आचार संहिता तथा युग निर्माण के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। संगीत सत्र में ढपली वादन और समूह गायन के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन दिवस पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर अमरकंटक नगर में नशामुक्ति रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से युवाओं और नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा भारत को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया गया। अंतिम दिन गायत्री शक्तिपीठ परिसर में औषधीय पौधे तीखुर का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने प्रशिक्षण को सफल बनाने में सहयोग देने वाले जिला एवं तहसील समन्वयकों सहित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठजनों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की सुदृढ़ व्यवस्था, कानूनी संरक्षण, अधिकारों की मजबूत नींव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को नई दिशा और गति प्रदान की गई है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित योजनाएं इसका प्रमाण हैं कि सरकार उनके सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। बदलते सामाजिक परिवेश में जहां पारिवारिक संरचना में निरंतर परिवर्तन हो रहा है, वहीं वरिष्ठजनों की देखभाल और उनके अधिकारों की रक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकार दिलाने के लिए माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। यह अधिनियम वरिष्ठजनों को यह अधिकार देता है कि यदि वे स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं हैं, तो वे अपने बच्चों या संबंधितों से भरण-पोषण प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश में इस अधिनियम के तहत प्रत्येक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय को भरण-पोषण अधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय को अपील अधिकरण घोषित किया गया है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक न्याय विभाग के जिला अधिकारियों को भरण-पोषण अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से संचालित करते हैं। अधिनियम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा या परित्याग को दंडनीय अपराध माना गया है, जिससे समाज में उनके प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ किया गया है। विभिन्न संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के माध्यम से संचालित वरिष्ठ आश्रमों में जरूरतमंद वरिष्ठजनों को आश्रय, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं एवं मनोरंजन की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी कड़ी में भोपाल में विकसित "संध्या छाया" वरिष्ठजन निवास एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय परिसर वरिष्ठजनों को सुरक्षित, आरामदायक एवं गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करता है। यहां वातानुकूलित कक्ष, लाइब्रेरी, फिजियोथेरेपी, चिकित्सा सुविधाएं एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय स्टेट बैंक मो.नं.: 7000861079, 8602783198

चल सम्पति (वाहन) के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निम्नलिखित वाहन का जहां है, जैसा है, जो है के आधार पर विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

ई-नीलामी की तिथि: 11.06.2026, समय: प्रात: 11:00 से सायं 3:00 बजे तक प्रत्येक 5 मिनिट के असीमित विस्तार के साथ

ऋणी का नाम एवं पता	संपति का विवरण	खाता क्रमांक एवं बकाया राशि	नियत मूल्य	धरोहर राशि
श्री प्यारेलल सिंह आत्मज दलवीर सिंह पता- ग्राम बंधमार पुष्पराजगढ़ जिला अनुपपुर	Mahindra Gujrat Shakatiman 30 Reg No MP65AA1510 Date Of Reg.- 09/12/2016	खाता क्रमांक 35802468117 Rs.643875.00 plus interest plus charges	Rs. 1,30,000/-	Rs.13000/-
श्री अमित शर्मा आत्मज राम शरण शर्मा पता- ग्राम सड्डी पोस्ट जमगाव जिला अनुपपुर 424224	ACE DI854NG Reg No MP65AA2877 Dated: 06/02/2019	खाता क्रमांक 38164570427 Rs.731838.06 plus interest plus charges	Rs. 1,85,000/-	Rs.18500/-
श्री महरजवा सिंह आत्मज हरभजन सिंह पता- ग्राम खरला पोस्ट चनोडी जिला शहडोल	Mahindra SHaktimaan- 35 Reg No MP65AA0308	खाता क्रमांक 35276498681 Rs.101138.41 plus interest plus charges	Rs. 70,000/-	Rs.7000/-

वाहन निरीक्षण स्थल: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अनुपपुर ब्रांच पार्किंग स्थल (ट्रैक्टर महरजवा एवं अमित शर्मा) एवं ग्राम सलईया यार्ड पार्किंग संदीप तिवारी (ट्रैक्टर प्यारेलाल सिंह)

नियम एवं शर्ते-बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के प्रावधान के तहत निष्पादित की जाएगी और निम्नलिखित शर्तो को संकलित किया जाना है (1) संपतियों को" जैसा है जहां है. जैसा है, जो है और जो है", के आधार पर बेचा जाएगा। (2) ऊपर उल्लिखित संपतियों का विवरण अधिकृत अधिकारी के पास उपलब्ध जानकारी पर आधारित है और घोषणा में दी गई किसी भी त्रुटि, गलती या चूक के लिए अधिकृत अधिकारी जिम्मेदार नहीं होगा। (3) विक्री की विस्तृत शर्तो के लिए वेबसाइटhttps://bank-sbi/web/sbi&in-the- news/auction-notices/sarfaesi-and- others; www.sbi.co.in and https://www.baanknet.com/eauction-psb/x-login (4) इच्छुक बोली लगाने वाले को अपना यूजर आईडी और पासवर्ड बनाना होगा जिसे बनाने में कम से कम 2 कार्य दिवस लगते हैं इसलिए बोली लगाने वाले से अनुरोध है कि वे इससे पहले यूजर आईडी बनाएं अंतिम तिथि (5) बैंक बिना कोई कारण बताए उपरोक्त नोटिस से सभी या किसी भी नीलामी को रोकने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

नोट: यह सूचना उपरोक्त ऋण के कर्जदार / गारंटरों / बंधककर्ताओं को उपरिवर्णित तिथि को इस बिक्री के आयोजन और अन्य विवरण के बारे में नोटिस भी है।

दिनांक: 03.06.2026 प्राधीकृत अधिकारी: भारतीय स्टेट बैंक

सरस्वती शिशु मंदिर/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक योगग्राम, जमुनादादर, जिला अनूपपुर (म.प्र.)

संविदा शिक्षक भर्ती

क्र.	पद	संख्या	योग्यता	अनुभव
1	व्याख्याता (गणित)	1	सम्बंधित विषय से स्नातक / स्नातकोत्तर एवं बी.एड.एम.एड	न्यूनतम 1 वर्ष
2	व्याख्याता (बहीखाता)	1	सम्बंधित विषय से स्नातक / स्नातकोत्तर एवं बी.एड.एम.एड	न्यूनतम 1 वर्ष
3	वरिष्ठ आचार्य (कम्प्यूटर)	1	सम्बंधित विषय से स्नातक / स्नातकोत्तर	न्यूनतम 1 वर्ष

आवेदन की अंतिम तिथि :- 20 जून 2026

सम्पर्क सूत्र

मोबाईल : 9131062018, 8839508585, 9165918044

ई-मेल: ssmsmkt1992@gmail.com

पता : सरस्वती शिशु मंदिर/ उ. मा. विद्यालय जमुनादादर, अमरकंटक, जिला अनूपपुर (म.प्र.)